यूरोलॉजी एवं जनरल सर्जरी विभाग
डॉ. विकास गर्ग
MBBS, MS, DNB (Urology)
M. 98551-36567
पेशाब, किडनी, पथरी व प्रोस्टेट से संबंधित बीमारियों के विशेषज्ञ
टांटिया हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
Helpline : 0154-2481505, 94140-93052

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 21 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 15 अप्रैल, 2021 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

डॉ. अभिषेक गुप्ता

डॉ. संजय सोलंकी

टांटिया हॉस्पिटल व जन सेवा हॉस्पिटल में दी जा रही हैं सराहनीय सेवाएं

कोरोना मरीजों का फिर से सहारा बना टांटिया समूह

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह का सुखाड़िया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल तथा हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित अनुभवी-प्रशिक्षित नर्सिंग ऑफिसर्स की टीम सराहनीय सेवाएं दे रही है।

जन सेवा हॉस्पिटल परिसर में पूरी तरह से अलग भवन में कोरोना संबंधी उच्चस्तरीय सेवाएं सरकार की ओर से निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध करवाई जा रही है। मरीजों की जरूरत को देखते हुए ऑक्सीजन, वेंटिलेटर सहित अन्य सभी उपकरण मौजूद है। सरकार की गाइड लाइन की पालना की जा रही है साथ ही गुणवत्ता का आहार, स्वच्छता आदि पर विशेष जोर दिया जा रहा है। टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलटी हॉस्पिटल में भी मरीजों के लिए तमाम तरह की सेवाएं उपलब्ध है, विशेषज्ञ चिकित्सक की देखरेख में अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा रहा है।

लापरवाही घातक साबित

विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुसार कोरोना का नया दौर पहले की तुलना में अधिक विकट है, फैलाव तेजी से हो रहा है वहीं मरीजों की स्थिति ज्यादा गम्भीर हो रही है। सभी को बचाव के लिए एडवाइजरी की पूरी तरह पालना करनी चाहिए, किसी प्रकार की लापरवाही घातक हो सकती है।

कोरोना संबंधी विशेष सलाह

कोरोना के बढ़ते दुष्प्रभाव के कारण दिल के मरीजों को विशेष सजगता दिखानी चाहिए। धूम्रपान करते हैं तो इसे तुरंत छोड़ देना चाहिए, धूम्रपान फेफड़े, दिल, श्वांस नली सभी को कमजोर बनाता है। खाने में तेल, घी, बटर का प्रयोग कम करना चाहिए क्योंकि इनसे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और कोलेस्ट्रॉल से धमनियां ब्लॉक होती हैं। वजन कंट्रोल में रखना चाहिए, अगर मोटे हैं तो वजन घटाना शुरू कर देना चाहिए, मोटापे के कारण भी कोरोना और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए, जिससे स्टैमिना अच्छा रहे और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहे।

डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) कोरोना मरीजों के लिए फिर से सहारा बने हैं। टांटिया हॉस्पिटल में वरिष्ठ अस्थमा एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता एवं जन सेवा हॉस्पिटल के कोविड ब्लॉक में वरिष्ठ छाती एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सोलंकी के नेतृत्व में

कोविड जांच सिर्फ 500 रुपए में

जन सेवा हॉस्पिटल में कोरोना वायरस कोविड-19 संबंधी जांच मात्र 500 रुपए में हो रही है। अत्याधुनिक लैब शुरू होने से इलाकावासियों को भारी लाभ मिल रहा है। हॉस्पिटल की लैब को नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एनएबीएल) से मंजूरी मिलने के साथ ही इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली (आइसीएमआर) ने भी कोरोना जांच के सेम्पल लेने के लिए अधिकृत किया है। लैब को कोरोना काल में अति महत्वपूर्ण साबित हुए 'आरोग्य सेतु' एप्प ने भी अपनी सूची में शामिल किया है, ताकि नजदीकी क्षेत्र के लोग भी इस लैब का लाभ उठा सकें। टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में भी जांच की सुविधा उपलब्ध है।

वेक्सीन की सुविधा भी उपलब्ध

जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर के सुखाड़िया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल तथा रीको के टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल)में कोरोना वायरस कोविड-19 संबंधी वेक्सीन की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। सरकार की तरफ से निर्धारित शुल्क पर वेक्सीन लगाई जा रही है। इसके लिए प्रबंधन ने विशेष व्यवस्था की है। अनुभवी एवं प्रशिक्षित स्टाफ यह कार्य कर रहा है।

ख्यालों में भी ख्याल रखते हैं, हर दर्द का इलाज वो रखते हैं...

जन सेवा हॉस्पिटल के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. इन्द्रदीप सिंह कोचर जीत रहे सभी का दिल

डॉ. इन्द्रदीप सिंह कोचर

आया कोमा की स्थिति में, गया खेलते हुए

जिला मुख्यालय की इन्दिरा कॉलोनी का तीन साल का एक बालक टाइफाइड की चपेट में ऐसा आया कि बुखार से दिमाग में सूजन आ गई। बीपी और शुगर का स्तर काफी कम हो गया। शरीर पर ऐसा दुष्प्रभाव पड़ा कि कोमा में आ गया। डॉ. कोचर ने जरूरी जांचों के बाद ऐसा उपचार किया वह खेलते हुए अपने घर लौटा।

उड़ गए थे होश, बच गया जीवन

अपने आठ माह के पुत्र की स्थिति को देखकर परिजन बहुत परेशान थे, श्वांस की गति ऐसी तेज हुई कि चिन्ताजनक हालत ने होश उड़ा दिए। डॉ. कोचर के पास पहुंचे तो बच्चा बेहोश था, उसे तुरंत संभाला। एसिड बहुत अधिक होने से हाइरिस्क वाली बात थी, छोटे वेन्टीलेटर पर रखा तथा सफल उपचार कर बालक का जीवन बचाया।

सर्वाधिक विश्वसनीय सूची में समाहित

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले का ही नहीं उत्तर भारत के सबसे अधिक विश्वसनीय हॉस्पिटलों में शामिल जन सेवा हॉस्पिटल अपने नवजात व शिशु रोग, हड्डी रोग व जोड़, हृदय रोग विभाग, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, छाती, टीबी व श्वांस रोग, न्यूरो,नेत्र रोग, प्रसूति व स्त्री रोग, आपातकालीन, मुंह, गला व थॉइराइड कैंसर रोग विभाग आदि के माध्यम से मरीजों तथा उनके परिजनों की उम्मीदों के अनुसार समर्पित भाव से सेवाएं दे रहा है। जटिल ऑप्रेशन भी सफलता से किए जा रहे हैं। सी.टी. स्कैन, एमआरआई, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ब्लड बैंक, डायलिसिस आदि का बेहतरीन इंतजाम है। अत्याधुनिक आईसीयू, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, डायलिसिस आदि का शुल्क भी अपेक्षाकृत कम लिया जा रहा है। ब्लड सेंटर में डेंगू आदि मरीजों के लिए एसडीपी भी उपलब्ध है।

सुविधाओं से भरपूर

- मरीज के लिए अंदर ही गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध।
- नकद के साथ-साथ डिजिटल भुगतान की भी व्यवस्था।
- एक्सरे, सीटी स्केन, एमआरआई आदि की जल्दी रिपोर्ट।
- आवश्यकता होने पर कम्बल भी उपलब्ध करवाए जाते हैं।
- परामर्श, जांच आदि के लिए एक ही पर्ची, आईडी पर सभी सुविधा।
- भवन में लिफ्ट की सुविधा, स्वच्छता का विशेष ध्यान।
- हॉस्पिटल में ब्लड सेंटर की भी सेवा।
- लाने, ले जाने के लिए एम्बुलैन्स हर समय मौजूद।
- भवन के अंदर लेबोरेट्री की रियायती दर पर सेवाएं।
- कैन्टीन सेवा उपलब्ध, ठहरने की भी व्यवस्था।
- भवन के बाहर सुन्दर पार्क, लॉन, शांत वातावरण।
- वाहनों के लिए पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था।

श्रीगंगानगर।

ख्यालों में भी ख्याल रखते हैं, हर दर्द का इलाज वो रखते हैं। अनुभव और विशेषज्ञता से हैं भरपूर, सभी के लिए चेहरे पर मुस्कान वो रखते हैं।

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. इन्द्रदीप सिंह कोचर पर उक्त पंक्तियां सटीक बैठती हैं। उनके अनुभव और ज्ञान से सभी लाभान्वित हो रहे हैं। अपने दिल के टुकड़ों की सलामती के लिए आने वाले अभिभावक आते हैं आशंकाओं के बादलों से घिरे हुए और खुशी-खुशी जाते हैं प्रसन्नता की बौछारों से भीगते हुए।

जोखिम में थी जान

साधुवाली क्षेत्र की डेढ़ वर्षीय पुत्री की माता डॉ. कोचर की तारीफ करते हुए भावुक हो जाती है, आंखों में छलके खुशी के आंसू पौंछते हुए बताती हैं कि कैसे आंत बंद होने से जान जोखिम में थी। पहले इंफेक्शन हुआ, उलटी हुई और बुखार हुआ तथा जान पर बन आई। जन सेवा हॉस्पिटल में आना और खुशियां पाना सदा याद रहेगा।

टांटिया यूनिवर्सिटी का होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज जयपुर में सम्मानित

एक माह चले होम्योपैथी जागरुकता महा अभियान में निभाई सक्रिय सहभागिता

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट को जयपुर में विश्व होम्योपैथी दिवस पर रखे गए राज्यस्तरीय समारोह में सम्मानित किया गया है। आयुष सचिव आईएएस सुरेशचंद गुप्ता, होम्योपैथी डवलपमेंट एसोसिएशन (एचडीए)के संरक्षक पूर्व आईएएस प्रदीप बोरड़ एवं राजस्थान आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य विमल कांवट से यह सम्मान टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. विश्वास ने ग्रहण किया। एचडीए के तत्वाधान में एक माह चले होम्योपैथी जागरुकता महा अभियान की शुरूआत 12 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने पोस्टर विमोचन से की थी।

महा अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने, दस से भी अधिक निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर आयोजित करने तथा होम्योपैथी स्वास्थ्य जागरूकता रैली का सफल आयोजन करने पर टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट को सर्टिफिकेट ऑफ डेडीकेशन प्रदान किया गया।

विश्व होम्योपैथिक दिवस मनाया

टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ. क्रिस्चियन फ्रेडरिक सैम्युअल हैनीमैन का जन्म दिवस विश्व होम्योपैथिक दिवस के रूप में मनाया गया। यूनिवर्सिटी के एकेडमिक व रिसर्च डायरेक्टर डॉ. प्रवीण शर्मा, प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह, उप प्राचार्य डॉ. पी.के. चक्रवर्ती की अगुवाई में महात्मा हैनीमैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर हैनीमैन की जीवनी एवं होम्योपैथी के महत्व पर प्रकाश डाला गया, केक भी काटा गया। डॉ. सुनील बिश्नोई, डॉ. अनिल अग्रवाल, डॉ. अनुप्रिया, डॉ. रेखा जुनेजा, डॉ. विनय सेन, डॉ. अंजलि जैसवाल, डॉ. भव्य शिखा, डॉ. डिंपल, डॉ. शिवानी डोडा, डॉ. शालू मुंजाल, डॉ. तरसेम सिंह, डॉ. निधि आदि की सहभागिता भी कार्यक्रम में रही। सभी स्टाफ सदस्यों, बीएचएमएस, एमडी तथा इंटरन के विद्यार्थियों ने भी पुष्प अर्पित किए।

स्वास्थ्य जागरुकता रैली से दिया संदेश

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरुकता रैली निकाल कर जागृति का संदेश दिया। रैली की अगुवाई यूनिवर्सिटी के कार्यकारी निदेशक के.एस.सुखदेव, एकेडमिक एंड रिसर्च डायरेक्टर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, डायरेक्टर डॉ. अश्वनी गोगिया, अध्यक्ष डॉ. एम.एम. सक्सेना, होम्योपैथिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ.चरणजीत सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा ने की। होम्योपैथी तथा स्वास्थ्य जागरुकता के नारों को रैली में गुंजायमान किया गया, विद्यार्थी हाथों में तख्तियां भी लिए हुए थे। यह रैली यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक कॉलेज से प्रारंभ होकर रीको होते हुए सब मंडी यार्ड तक निकाली गई। कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. पी. के. चक्रवर्ती ,डॉ. आर. के. विश्वास, डॉ. सुनील बिश्नोई, डॉ. विनय सेन, डॉ. अनिल अग्रवाल, डॉ.रुचि विश्वास, डॉ. निधि, डॉ. अंजली, डॉ. रेखा, डॉ. डिंपल, डॉ. शिवानी, डॉ. तरसेम सहित काफी जनों की रैली में सहभागिता रही।

निःशुल्क शिविरों की सर्वत्र सराहना

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने एचडीए के तत्वाधान में एक माह चले होम्योपैथी जागरुकता महा अभियान के अंतर्गत अनेक जगह निःशुल्क शिविर लगाए, इनकी सर्वत्र सराहना हुई। रिद्धि सिद्धि एनक्लेव के योग पार्क में योग प्रशिक्षक प्रो. बृजमोहन सचदेवा आदि के सहयोग से शिविर रखा गया। इसी तरह श्रीगंगानगर सेतिया कॉलोनी के गुरु रामदास गुरुद्वारा साहिब, मानकथेड़ी सूरतगढ़, सादुलशहर, पदमपुर, अनूपगढ़, श्रीकरणपुर, गजसिंहपुर, रायसिंहनगर आदि जगह भी शिविर लगाकर काफी जनों को लाभान्वित किया गया।

प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए भी अधिकृत

जन सेवा हॉस्पिटल में ईएसआईसी अंशधारकों के लिए भी सभी सुविधाएं शुरू

श्रीगंगानगर।

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में ईएसआईसी अंशधारकों के लिए सभी कैशलैस सुविधाएं शुरू हो गई है। इससे ईएसआई में बीमित एवं उनका परिवार, ईएसआई स्टाफ एवं ईएसआई पेंशनर्स को भारी लाभ होगा। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह कुलड़िया ने बताया कि सुपर स्पैशिलिटी ट्रीटमेंट (एसएसटी) एवं सैकण्डरी लेवल ट्रीटमेंट (एसएलटी) के लिए सरकार ने जन सेवा हॉस्पिटल को अधिकृत किया गया है। हॉस्पिटल पूर्व में ही आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना, जननी सुरक्षा योजना जैसी सरकारी योजनाओं, पेंशनर्स, प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए अधिकृत है और बड़ी संख्या में पात्र लोग लाभ उठा रहे हैं। हॉस्पिटल के टीपीए एंड इंश्योरेंस मैनेजर गुरप्रीत सिंह के मुताबिक कार्डियोथैरासिस वस्कुलर सर्जरी, न्यूरोलोजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलोजी, गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी, प्लास्टिक सर्जरी, रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, पिडियाट्रिक्स सर्जरी, सीटी स्केन, एमआरआई, इको कॉर्डियोग्राफी, शरीर के हिस्सों की स्केनिंग, स्क्रीनिंग, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, आबस्ट्रिक्स एंड गाइनिकोलोजी, पिडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, नेत्र, दंत रोग विभाग, डाइग्नोस्टिक्स सुविधाएं, ब्लड बैंक आदि से जुड़ी सुविधाएं मिलने से ईसीआई वाले मरीजों को बहुत फायदा होगा। जन सेवा हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाया जा रहा है। अत्याधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं, मरीज की भर्ती का रोजाना का शुल्क केवल 20 रुपए रखा हुआ है।

दर्जनों बीमा कम्पनियों से भी अधिकृत

जन सेवा हॉस्पिटल दर्जनों प्रमुख बीमा कम्पनियों से भी अधिकृत है। इस सूची में प्रमुख रूप से रक्षा हेल्थ टीपीए, एचडीएफसी इरगो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, स्टार हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनी, पैरामाउंट हेल्थ टीपीए, विपुल मेडिकोर्प हेल्थ टीपीए, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, केयर हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनी (रिलिगेयर), आदित्या बिड़ला केपिटल इंश्योरेंस कम्पनी, एम. एस.चोला जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, सेफ वे हेल्थ टीपीए, इरिकसन हेल्थ टीपीए, जिनीनस इंडिया इंश्योरेंस टीपीए, विजिन ई-मेडी सोल्यूशन्स इंश्योरेंस, अपोलो मुनीच हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनी, सनराइज मेडिकॉर्प सोलूशन टीपीए, ग्रांड इंश्योरेंस टीपीए, इंडस हेल्थ पल्स टीपीए आदि शामिल है।

15 मई तक चलेगा चिकित्सा महाशिविर

जन सेवा हॉस्पिटल में चिकित्सा महाशिविर जारी है, सभी को इसका बहुत फायदा मिल रहा है। यह महाशिविर 10 दिसम्बर से शुरू हुआ था और 15 मई तक चलेगा। जांच के लिए श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पड़ोसी राज्य पंजाब-हरियाणा आदि के मरीज भी आ रहे हैं। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह कुलड़िया ने बताया कि महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क की जा रही है, लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट दी जा रही है। सीबीसी सिर्फ 20 रुपए में तथा अल्ट्रासाउंड केवल 100 रुपए में किया जा रहा है। दवाइयों पर भी छूट दी जा रही है। जन सेवा हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं नियमित उपलब्ध हैं। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800123101020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

टांटिया समूह ने सामाजिक सरोकारों में मिसाल कायम की

श्रीगंगानगर की पहचान में बढ़ोतरी करने वाले टांटिया समूह ने समर्पित भाव की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा तथा गुणवत्ता की उच्च शिक्षा के अलावा सामाजिक सरोकारों में भी मिसाल कायम की है। इलाके के अनेक विशिष्ट जनों ने समूह की तारीफ करते हुए उत्साहवर्धन किया है। इनके अनुसार अपने लिए तो सभी करते हैं लेकिन जो समाज को दिल से अपना मान कर सामाजिक कामों में सहभागिता निभाते हैं, वे जन-जन के मन में स्थान बनाते हैं। इन विशिष्ट जनों ने डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाने तथा भर्ती का रोज का शुल्क केवल 20 रुपए होने को सुखद आश्चर्य बताया है। इनके मुताबिक जन सेवा हॉस्पिटल वास्तव में सभी के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। टांटिया यूनिवर्सिटी भी जीवन को नई ऊंचाइयां प्रदान करने वाली उच्च शिक्षा प्रदान कर उल्लेखनीय सेवा कर रही है।

विशिष्ट जनों ने तारीफ करते हुए उत्साहवर्धन किया

टांटिया समूह के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र ने नई धान मंडी में मजदूरों, किसानों के लिए शिविर लगाया है, यह बहुत प्रशंसनीय है। ऐसे सेवा कार्य समय-समय पर करने के लिए साधुवाद, यही कामना है कि समूह तरक्की करता रहे

● किशोरीलाल सिवान
संरक्षक, न्यू धान मंडी मजदूर संघ

सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में टांटिया समूह की सक्रियता सराहनीय है। कोरोना काल की बात हो या पहले की, हमेशा इस समूह ने समाज हित में अपना योगदान बखूबी निभाया है। उच्च शिक्षा व चिकित्सा सेवा में श्रीगंगानगर का मान खूब बढ़ाया है

● विनोद बिहाणी
अध्यक्ष, वृंदावन विहार सोसायटी

वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान जागरुकता अभियान चलाना प्रशंसनीय है। लोगों को जागरूक करने के लिए पर्चे, मास्क, इम्यूनिटी बूस्टर बंटवाना, सेनिटाइज करना, नुक्कड़ नाटक आदि से जागृत करना अनुकरणीय है

● सरोज घोड़ेला **पूर्व अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा**

समय-समय पर सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले टांटिया समूह को प्रोत्साहन मिलते रहना चाहिए। सरकारी हॉस्पिटल में सहयोग करना, जगह-जगह जल मंदिर बनाना और ऐसे अनेक काम करना प्रशंसनीय है

● विजेंद्रपाल सिंह **3 सीसी सदस्य, जेडआरयूसीसी**

नेहरा नगर के शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं हुए लाभान्वित

वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा ने दी सेवाएं

श्रीगंगानगर।

डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की ओर से ग्राम पंचायत 5 ई छोटी के तत्वाधान में नेहरा नगर की गुरुनानक क्लिनिक में लगाए गए निःशुल्क स्त्री व प्रसूति रोग शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं लाभान्वित हुईं। हॉस्पिटल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा ने इसमें सेवाएं दीं। शिविर में डॉ. एस. के. शर्मा, डॉ. गुरप्रीत सिंह, मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष हेमराज चौधरी, पंच ताराचंद ओझा, महेंद्र बंसल आदि की सक्रिय सहभागिता रही, जन सेवा हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर अरूण सक्सेना भी मौजूद रहे।

सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत सक्रिय

जन सेवा हॉस्पिटल सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत सक्रिय है। अलग-अलग बीमारियों आदि के निःशुल्क परामर्श शिविर समय-समय पर लगाए जाते हैं। गत दिनों यातायात पुलिस के सड़क सुरक्षा अभियान में सराहनीय सहयोग करने पर विधायक राजकुमार गौड़ के हाथों हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह कुलड़िया ने सम्मान ग्रहण किया था। इस अभियान का शुभारम्भ गणेशगढ़ पुलिस चौकी में जन सेवा हॉस्पिटल की ओर से रखे गए शिविर से हुआ था, इसमें आंखों की निःशुल्क जांच की गई। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, यातायात पुलिस के प्रभारी कुलदीप सिंह चारण, लालगढ़ जाटान के थानाधिकारी कश्यप सिंह आदि भी इसमें मौजूद थे।

डॉ. सुरजीत सिह कस्वां सम्पादकीय मंडल में सदस्य नियुक्त

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां को अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका बोहल शोध मंजूषा के सम्पादकीय मंडल में सदस्य नियुक्त किया गया है। कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़ एवं संगरिया के प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त डॉ. कस्वां वॉलीबाल के विषय विशेषज्ञ भी हैं। देश के कुल 56 विश्वविद्यालयों की सहभागिता वाली ऑल इंडिया वेस्ट जोन वॉलीबाल प्रतियोगिता वे टांटिया यूनिवर्सिटी में सफलता से करवा चुके हैं। डॉ. कस्वां के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

डॉ. नरेश सिहाग को साहित्य मंथन कलम योद्धा सम्मान

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट साहित्य मंथन कलम योद्धा 2021 सम्मान से सम्मानित होंगे। अखिल भारतीय साहित्य मंथन शोध संस्थान एवं केबीएस प्रकाशन दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रेल को कोलकाता में आयोजित समारोह में इसे प्रदान किया जाएगा। साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उनका चयन हुआ है। वे शांतिधर्मी मासिक के सह सम्पादक व बोहल शोध मंजूषा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका के सम्पादक हैं। जर्नल के नारी, हिन्दी एवं किन्नर विशेषांक प्रकाशित हो चुके हैं। जर्नल का महाभारत विशेषांक प्रकाशित होने जा रहा है। डॉ. सिहाग एक दर्जन से भी अधिक पुस्तकों का लेखक एवं सम्पादन कर चुके हैं।

युवा पीढ़ी को जागरूक करने पर जोर, सक्रियता की चर्चा चहुं ओर

जे.आर. टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का अलख जगाना जारी

श्रीगंगानगर।

जे.आर. टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का नशे के खिलाफ अलख जगाना जारी है, युवा पीढ़ी को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, इस सराहनीय सक्रियता की चर्चा चहुं ओर है। केंद्र सेल्फी कट आउट के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अन्य जनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील कर रहा है। संकल्प पत्र भरवाने का क्रम भी बना हुआ है। हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) परिसर में चल रहा यह केंद्र नशे के अंधेरे में आशा का उजाला साबित हो रहा है। केंद्र के परियोजना निदेशक डॉ. विकास सचदेवा, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर डॉ. मनीष अरोड़ा एवं उनकी टीम मनोयोग से प्रयासरत है और मरीजों तथा उनके परिजनों की अपेक्षाओं पर खरा उतर रही है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले के लोग ही नहीं पंजाब-हरियाणा सहित देश के अनेक राज्यों के लोग इस केंद्र के माध्यम से फायदा उठा रहे हैं। जेआर टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र अनेक विशेषताओं वाला है। उपयोगी

और जीवन बदलने वाले साहित्य को आधार रख कर कक्षाएं होती है, विचारों में सकारात्मक परिवर्तन किया जाता है। नशा पीड़ितों को बुरा ना मान कर बीमार व्यक्ति माना जाता है, प्रेम और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाता है। इससे बीमारी के प्रति एक नई और व्यावहारिक समझ विकसित कर पाते हैं तथा नशे में किए गए गलत कार्यों के कारण जो अपराध बोध और भय आ जाता है, उससे मुक्त होते हैं। केंद्र में पीड़ित व्यक्ति को शुद्ध शाकाहारी, पौष्टिक और सात्विक आहार दिया जाता है। स्वच्छ पानी के लिए आर ओ प्लांट लगा हुआ है। केंद्र में वाटर कूलर, वाशिंग मशीन, गीजर, अग्निशमन यंत्र ,ऑक्सीजन सिलेंडर तथा अन्य आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण मौजूद है। नशा पीड़ितों को केंद्र में लाने के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध है। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए नियमित योग, प्राणायाम, ध्यान करवाया जाता है। यह उन नशा मुक्ति केंद्रों में से एक है जहां नशा पीड़ितों को खुला परिवेश उपलब्ध करवाया गया है। धूप लेते है, बैडमिंटन, चेयर रेस आदि खेल खेले जाते हैं। लगातार नशे करने के कारण व्यक्ति के विचार अस्थिर तथा संकल्प शक्ति कमजोर हो जाती है, इस समस्या को दूर करने लिए आयुर्वेदिक चिकित्सक शिरोधारा करवाते हैं, यह विचारों में स्थिरता लाने के लिए बहुत पुरानी तकनीक है। बहुत से लोगों को मानसिक परेशानियां जैसे इंसोमेनिया, एंजाइटी, डिप्रेशन, फोबिया या अन्य हो जाती है उनके निदान के लिए मनोचिकित्सक (साइकिएट्रिस्ट) की आवश्यकता होती है, यह सुविधा केंद्र में उपलब्ध है। कुंजल क्रिया, वस्ति, शंख प्रक्षालन आदि योग क्रियाओं के जरिए शरीर में फैले जहर को निकाला जाता है। विभिन्न प्रकार इनडोर खेलों के माध्यम से नशे से दूर, अन्य मनोरंजन के साथ जीना सिखाया जाता है।

अनुराग बिस्सू व धीरज यादव को डॉक्टरेट की उपाधि

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी ने शारीरिक शिक्षा संकाय के अनुराग बिस्सू को

अनुराग बिस्सू धीरज यादव

डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां के निर्देशन में उन्होंने निम्न स्तर के विद्यालय के बच्चों में गामक प्रेरकों का मात्रात्मक अवलोकन विषय पर अपना शोध किया।

इसी तरह धीरज यादव को भी डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार के निर्देशन में श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण एवं नगरीय भूमि उपयोग का प्रारूप विषय पर किया।

पेलिएटिव केयर में सामाजिक कार्यकर्त्ता और एनजीओ भी निभा सकते हैं बड़ी भूमिका

पेलिएटिव केयर यानि प्रशामक देखभाल में सामाजिक कार्यकर्त्ता और एनजीओ भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वे आहत को राहत पहुंचा सकते हैं और सकारात्मक वातावरण तैयार करने में बड़ा योगदान दे सकते हैं। देश की आबादी की तुलना में पेलिएटिव केयर संबंधी विशेषज्ञ चिकित्सकों, प्रशिक्षित चिकित्साकर्मियों के साथ-साथ आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं की कमी है। इस कड़वे सच की वजह से अधिकांश जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों के नजदीक सेवा उपलब्ध नहीं है।

डॉ. महेश के. मोहता
नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ, कैंसर विभाग, जन सेवा हॉस्पिटल

एनजीओ और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं का मुख्य ध्येय जरूरतमंदों की मदद करना ही होता है, इनमें से ऐसों की संख्या भी अच्छीखासी है जो नर सेवा-नारायण सेवा की उक्ति को चरितार्थ करते हुए सराहनीय स्थाई प्रकल्प संचालित कर रहे हैं। इन लोगों का ऐसा एक प्रकल्प पेलिएटिव केयर से भी जुड़ जाए तो बहुत अच्छा हो जाए। सामाजिक कार्यकर्त्ता एनजीओ से जुड़े लोग पेलिएटिव केयर के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं हॉस्पिटल प्रबंधन से आवश्यक प्रशिक्षण लेकर बहुत उपयोगी, बड़ी टीम के रूप में सर्वत्र सेवा के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

आहत को पहुंचा सकते हैं राहत, तैयार कर सकते हैं सकारात्मक वातावरण

पेलिएटिव केयर संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सामाजिक कार्यकर्त्ता, एनजीओ अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे मरीजों की पहचान कर सकते हैं, जिनकी स्थिति जटिल है। वे जीवन-मृत्यु के बीच संघर्षरत मरीजों को चिन्हित कर उनके आखिरी दिनों की वेदना को कम करने के पुनीत कार्य में भूमिका निभा सकते हैं।

सभी जानते हैं कि पेलिएटिव केयर के मरीज और परिवार जन सहज स्थिति में नहीं हो सकते, इसको ध्यान में रखते हुए उनके प्रति संवेदनशीलता और सकारात्मकता सर्वोपरि है। उनकी बात को पूरे मनोयोग एवं शांति से सुनते हुए समस्या के समाधान के लिए अधिकाधिक प्रयास किया जाना चाहिए। ऐसा होगा तभी उनके लिए वातावरण की बोझिलता अवश्य कम होगी साथ ही अगला समय पहले की तुलना में राहत वाला होगा। पेलिएटिव केयर से जुड़े जनों को चाहिए कि वे मरीज और उनके परिजनों को यथोचित आदर देते हुए उनका विश्वास हासिल करे, मरीज एवं परिवार जनों का विश्वास प्राप्त करने के लिए उन्हें ऐसा लगना चाहिए कि तकलीफ केवल उन्हीं की नही है। भावनात्मक लगाव ऐसा होना चाहिए कि पेलिएटिव केयर से जुड़ा जन सुख-दुख साझा करने वाला सच्चा साथी लगने लगे।

समाज भी करे पूरा सहयोग

पेलिएटिव केयर के मामले में समग्र समाज को भी मरीजों एवं उनके परिजनों को पूरा सहयोग करना चाहिए। मरीज का शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता होती है, इतना ही उनके प्रति परिवार एवं समाज के भावनात्मक लगाव एवं संवेदनशीलता की भी अपेक्षाकृत अधिक जरूरत रहती है। मरीजों की कार्यक्षमता कम होने से वे नहीं चाहते हुए भी आश्रित हो जाते हैं। मरीजों को कम से कम तनाव हो और बिना बोझिल माहौल मिले, इसमें परिजन, पड़ौसी, मित्र आदि अच्छी भूमिका निभा सकते हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी की विशिष्ट सहभागिता से निकली साइकिल रैली ने दिए कई संदेश

एनसीसी का स्वर्णिम विजय वर्ष के अंतर्गत सफल आयोजन

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी की विशिष्ट सहभागिता से निकली एनसीसी की 15 राज बटालियन की साइकिल रैली ने कई संदेश दिए। स्वर्णिम विजय वर्ष के उपलक्ष्य में वैशाखी पर्व पर अंतरराष्ट्रीय सीमा तक यह साइकिल रैली निकाली गई। रैली के दौरान फिट इंडिया मूवमेंट, स्वच्छता अभियान संबंधी संदेश दिए गए। नो प्लास्टिक यूज के लिए भी लोगों को प्रेरित किया गया। बटालियन के कार्यालय से कर्नल संजय गुप्ता ने रैली को रवाना करने से पूर्व सभी कैडेट्स को वर्ष 1971 के युद्ध में मिली सफलता का जिक्र करते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया।

साइकिल रैली भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारे लगाते हुए हिन्दुमलकोट चौकी पहुंची, वहां बीएसएफ के कमांडिंग ऑफिसर राजेंद्रसिंह, सांवरमल बिश्नोई आदि ने सम्बोधित किया। बीएसएफ की महिला प्रहरियों ने एनसीसी की छात्रा कैडेट्स से अनुभव सांझा किए। डॉग स्कवाइड का प्रदर्शन भी इस दौरान रहा। सीमा पर तैनात जवानों को मिठाइयां वितरित की गई, अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए।

...भारत ये रहना चाहिए

हिन्दुमलकोट चौकी पर टांटिया यूनिवर्सिटी के एनसीसी प्रभारी योगाचार्य संदीप कुमार भांभू ने वैशाखी एवं नव सम्वतसर की शुभकामनाएं देते हुए मेरा रंग दे बसंती चौला तथा कैडेट्स ने हम रहें या ना रहें भारत ये रहना चाहिए जैसे देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर तालियां बटोरी।

यूं व्यक्त किए उद्‌गार

कर्नल संजय गुप्ता

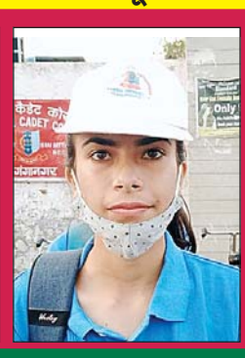
शिप्रा

सिमरत सिंह

संदीप भांभू

स्वर्णिम विजय वर्ष के तहत एनसीसी ने साइकिल रैली निकाल कर कई महत्वपूर्ण संदेश दिए हैं, वैशाखी पर्व को भी अनूठे अंदाज में मनाया गया है
- कर्नल संजय गुप्ता

एनसीसी के गौरवशाली परिवार से जुड़ कर बहुत खुशी हो रही है, अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकी पर साइकिल रैली में जाना वास्तव में यादगार रहेगा
- कैडेट शिप्रा, टांटिया यूनिवर्सिटी

एनसीसी सर्वांगीण विकास और सुनहरे कॅरियर के साथ राष्ट्र के लिए कुछ करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसी रैली से मनोबल बढ़ता है, समाज को संदेश भी जाता है
- योगाचार्य संदीप कुमार भांभू एनसीसी प्रभारी, टांटिया यूनिवर्सिटी

वैशाखी के पावन मौके पर स्वर्णिम विजय वर्ष पर निकली साइकिल रैली का हिस्सा बनना गौरव का क्षण है, सीमा पर जवानों से मिलकर सीना गर्व से चौड़ा हुआ है
- कैडेट सिमरत सिंह, टांटिया यूनिवर्सिटी

टी-क्लिक

देख शिकारी तेरे कारण...

देख शिकारी तेरे कारण दिल तक मेरा टूट गया, पत्थर का तो कुछ नहीं बिगड़ा, मेरा भाग्य रूठ गया। इस मूक पक्षी की मुद्रा शायद कुछ ऐसी भावना बयां कर रही है। शून्य को ताकती इस मुद्रा को अपने कैमरे में कैद किया है डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के नेत्र रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरूण कुमार सी. पवार ने।

टी-क्लिक: टांटिया समूह के साथी समूह के किसी भी संस्थान, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती या अन्य कोई संदेश देती तस्वीर 'टी-क्लिक' के लिए प्रेषित कर सकते हैं। फोटोग्राफी में रुझान हो तो उठाइए कैमरा और यादगार पल को कैद कर अपने नाम व विवरण के साथ media@tantiauniversity.com पर मेल कर दीजिए।

आयुष्मान भारत योजना के आभारी, टांटिया हॉस्पिटल ने पीड़ा हर ली सारी

वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल कर रहे हैं सफल ऑप्रेशन

श्रीगंगानगर।

आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत जिला मुख्यालय के सुखाड़िया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में दिल के मरीजों की पीड़ा हरी जा रही है। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल

डॉ. प्रेम मित्तल

सफल ऑप्रेशन कर रहे हैं और परेशानियों के भंवर में खुद को पाने वाले मरीज और परिजन टांटिया हॉस्पिटल एवं आयुष्मान भारत योजना की तारीफों के पुल बांधते हुए प्रसन्नता के साथ वापिस लौट रहे हैं। हाल ही में डॉ. मित्तल ने योजना के तहत अनेक मरीजों के ऑप्रेशन किए हैं, उनकी विशेषज्ञता और अनुभव का लाभ प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कुछ समय पहले डॉ. मित्तल ने 11 साल की लड़की एवं 4 साल के लड़के के दिल में जन्म से छेद को बिना चीरफाड़ के डिवाइस के माध्यम से बंद किया। ऐसे कितने ही जटिल मामलों में उन्होंने आहत मरीजों को राहत पहुंचाई और परिवार जनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं।

जांचों और गुणवत्ता में बहुत आगे

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल जांचों और गुणवत्ता में बहुत आगे है। एमआरआई 1.5 टेस्ला 16 चैनल की मशीन में अन्य साधारण मशीन की तुलना में आधे समय में जांच हो जाती है, जांच की गुणवत्ता भी साधारण मशीन के मुकाबले 5 गुणा ज्यादा होती है। पेट की एमआरआई एवं छाती-पैर की नसों को देखना संभव है, दिमाग व रीढ़ की हड्डी की बारीक नसों की भी गहनता से जांच होती है। खर्चा साधारण एमआरआई के बराबर ही लगता है। सिर से पांव तक की एंजियोग्राफी भी उपलब्ध है। सीटी स्केन 16 स्लाइस का होने से पेट के कैंसर की पकड़ भी आसानी से होती है, अधरंग, लकवे जैसी समस्या में भी बहुत उपयोगी है।

विश्वस्तरीय आधुनिक सुविधाएं

टांटिया हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेस मेकर, डिवाइस क्लोजर, कैथ लैब आदि की विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। सीसीयू, एडल्ट इकोकार्डियोग्राफी, बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी, एंजियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), बैलून से हृदय वाल्व को खोलने, पांव एवं गुर्दे के नसों की एंजियोप्लास्टी, कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी, सीटी पलमोनरी, डिजिटल एक्स-रे, हाईटेक लेबोरेट्री, जन्मजात हृदय रोगों का उपचार, टीएमटी आदि के कारण टांटिया हॉस्पिटल की विशिष्ट पहचान है।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया | मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया | मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718) | कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250) | पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में नि:शुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002